कक्षा - छठी

पाठ -1 प्रार्थना

एक-दो वाक्यों में उत्तर दें।

प्रश्न 1. बच्चों ने भगवान् से कौन-2 से संबंध जोड़े हैं।?

उत्तर :- बच्चों ने भगवान् से अपने माता- पिता , भाई , बन्धु तथा सखा के संबंध जोड़े हैं।

प्रश्न 2. बच्चे किनकी आहें मिटाना चाहते हैं?

उत्तर :- बच्चे दीन- दुखियों की आहें मिटाना चाहते हैं।

प्रश्न 3. बच्चे कौन-से अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं?

उत्तर :- सबका भला करना, सबके दु:ख दूर करना, माता-पिता तथा गुरु का आदर करना जैसे अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं।

प्रश्न 4.बच्चे पढ़-लिखकर किसकी शान बढ़ाना चाहते हैं?

उत्तर :- बच्चे पढ़-लिखकर अपने देश भारत की शान

बढ़ाना चाहते हैं।

प्रश्न 5. बच्चे देश के लिए कैसे भविष्य की कामना करते हैं?

उत्तर :- बच्चे देश के लिए सुन्दर भविष्य की कामना करते हुए कहते हैं कि हमारे देश आगे ही आगे बढ़ता जाए।

तीन- चार वाक्यों में उत्तर दें।

प्रश्न 1. बच्चे दीन- दुखियों की सहायता कैसे कर सकते हैं?

उत्तर :- दीन दुखियों से प्रेम करते हुए उनके दुखों, कष्टों को दूर करते हुए और उनका भला करते हुए , उनकी रक्षा करते हुए उनके बच्चे उनकी सहायता कर सकते हैं।

प्रश्न 2. 'देश-प्रेम पर बलि-बलि जाए' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर :- 'देश-प्रेम पर बलि-बलि जाए' से कवि का अभिप्राय है कि हमें अपने देश के प्रति प्रेम की भावना रखते हुए यदि उसकी रक्षा की खातिर हमें अपने प्राणों की भी बलि देनी पड़े, तो हम बलिदान देगें।

प्रश्न 3. 'होकर बड़े हम कीर्ति पाएँ ' से बच्चों का क्या आशय है?

उत्तर :- 'होकर बड़े हम कीर्ति पाएँ ' से बच्चों का आशय है

कि हम बड़े होकर अपने अच्छे कामों से लोगों में यश प्राप्त करें, लोगों में हमारा मान- सम्मान हो, हमारी इज्ज़त बढ़े।

****

5. काव्य- पंक्तियों को कविता देखकर पूरी करें।

क) तुम्हीं हो माता-पिता हमारे,

भाई - बन्धु सखा हमारे।

ख) देश - प्रेम पर बलि - बलि जायें,

दीन - दुखी को सदा बचायें।

ग) पढ़ें - लिखें हम खेलें खायें,

भारत देश की शान बढ़ायें।

*** शब्द- युग्म के रूप में प्रयोग हुए शब्द- युग्मों को उदाहरण के अनुसार लिखें।**

माता - पिता	माता और पिता
भाई - बन्धु	भाई और बन्धु
देश - प्रेम	देश और प्रेम
दीन - दुखी	दीन और दुखी
पढ़े - लिखें	पढ़ें और लिखें

*** बहुवचन बनायें**

कदम	कदमों
घर	घरों
भाई	भाइयों
दुःखी	दुखियों
प्राण	प्राणों

* समान तुक वाले शब्द

भगवान्	नादान
मानें	जानें
चाहें	आहें
हरियाली	खुशहाली
लड़ाई	बुराई
जायें	पायें

* भलाई शब्द में मूल शब्द 'भला' है।इसी प्रकार मूल शब्द अलग करें।

दु:खी	दुख
लड़ाई	लड़
हरियाली	हरा

बुराई	बुरा
आहें	आह
खुशहाली	खुशहाल

* समानार्थक शब्द

माता	जननी, माँ, मातृ
पिता	जनक, तात, पितृ
भाई	सहोदर, भ्रातृ, बन्धु
सखा	मित्र, सखा, मीत,संगी
दुःख	कष्ट, विपदा, पीड़ा
गुरु	आचार्य,शिक्षक,अध्यापक,ज्ञानदाता

* वाक्य बनाओ

1. प्रेम : - हमें सबसे प्रेम से रहना चाहिए।
2. आहें :- हम दुखियों की आहें मिटाएगें।
3. बुराई :- हमें किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।
4. शान :- बच्चे भारत की शान बढ़ाना चाहते हैं।
5. खुशहाली :- सब घरों में खुशहाली हों।

सौजन्य :- सुनीता चोपड़ा (हिंदी शिक्षिका)